नदियों के जल का अधिकतम उपयोग

755. **श्री अनंतराव देवशंकर घबे:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश की प्रमुख नदियों में अनुमानत: कितना-कितना जल प्रवाहित हो रहा है;

(ख) सिंचाई, पेयजल तथा औद्योगिक कार्यों के लिए अलग-अलग कितने-कितने जल का उपयोग किया जा रहा है;

(ग) कितना जल बेकार में समुद्र में बह जाता है;

(घ) इन नदियों के जल के अधिकतम उपयोग के लिए क्या कदम उठाये गए हैं या उठाए जाने का विचार है; और

(ङ) क्या सरकार ने जल संग्रह के लिए कोई विस्तृत ब्यौरा तैयार किया है?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगा नायडू): (क) से (ग) देश की मुख्य नदियों में उपलब्ध औसत वार्षिक प्रवाह लगभग 1869 बिलियन घन मीटर है। वार्षिक पुनर्भरणीय भूजल संसाधन जो लगभग 452 बिलियन घन मीटर है, के अलावा उपयोज्य सतही जल 690 बिलियन घन मीटर आंका गया है। जल (सतही एवं भू) का वर्तमान (1994) उपयोग लगभग 606 बिलियन घन मीटर है जिसमें से 536 बिलियन घन मीटर उपयोज्य जल का उपयोग नहीं किया गया।

विभिन्न प्रयोजनों के लिए जल का मौजूदा (1994) उपयोग निम्न अनुसार है:

प्रयोजन	उपयोग (बिलियन घन मीटर)
सिंचाई	501.00
घरेलू	30.40
ऊर्जा	20.20
उद्योग	20.00
अन्य	34.00
	605.00
	अर्थात् 606

(घ) और (ङ) पंचवर्षीय योजनाओं में नदियों पर भंडारणों के सृजन पर जोर दिया गया था जिसके परिणामस्वरूप 1989 तक लगभग 166 बिलियन घन मीटर की कुल सक्रिय भंडारण क्षमता का सृजन किया गया। 77 बिलियन घन मीटर की अतिरिक्त सक्रिय भंडारण क्षमता का सृजन करने के लिए कोष विभिन्न अंतिम चरणों में है। इसके अतिरिक्त, वृहद और मध्यम योजनाओं के जरिए लगभग 130 बिलियन मीटर भंडारण बढ़ाए जाने के लिए योजनाओं पर विचार किया जा रहा है। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण जल संसाधन विकास के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना का अध्ययन कर रहा है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ नदियों का अंत:संपर्क स्थापित करके और सम्भाव्य स्थलों पर भंडारणों का निर्माण करके अधिशेष जल वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों को जल का अंतरण करने की परिकल्पना की गई है। यह अनुमान लगाया गया है कि राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत अंत:बेसिन अंतरणों के जरिए प्रयोग के लिए 220 बिलियन घन मीटर अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा।

Drought in Karnataka

756. **SHRI JANARDHANA POOJARY:** Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the amount of loss suffered by Karnataka due to drought during the current year; and

(b) the amount of relief provided by the Central Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) As the South-West monsoon, 1995 is still in progress, it is too early to estimate at this stage the impact of drought conditions in Karnataka.